

पाठ 15

1. अकेले सभी लोगों को जीवन कौन देता है?

-परमेश्वर।

2. कैन और हाबिल का जन्म कहाँ हुआ था?

-अदन के बाग के बाहर।

3. कैन और हाबिल का जन्म अदन की वाटिका के बाहर क्यों हुआ?

-क्योंकि उनके पिता, आदम और उनकी माता, हव्वा ने पाप किया और परमेश्वर की अवज्ञा की।

4. क्योंकि परमेश्वर ने आदम और हव्वा को अदन की वाटिका से बाहर भेजा, सभी लोग कहाँ पैदा हुए हैं?

-अदम के बाग के बाहर।

5. परमेश्वर ने हाबिल और उसके बलिदान को क्यों स्वीकार किया?

-क्योंकि हाबिल ने परमेश्वर की बात मानी।

-क्योंकि हाबिल एक भेड़ को परमेश्वर के लिए बलिदान के रूप में लाया।

-क्योंकि हाबिल परमेश्वर के मार्ग के अनुसार ही परमेश्वर के पास आया।

6. हाबिल अपने बारे में क्या जानता था?

-हाबिल जानता था कि वह पाप में पैदा हुआ था।

-हाबिल जानता था कि उसके पाप को मौत की सजा दी जानी चाहिए।

7. हाबिल परमेश्वर के बारे में क्या जानता था?

-हाबिल जानता था कि परमेश्वर पवित्र है।

-हाबिल जानता था कि परमेश्वर सभी पापों को मौत की सजा देता है।

-हाबिल जानता था कि केवल परमेश्वर ही उसे बचा सकता है।

-हाबिल ने भी परमेश्वर पर भरोसा किया कि वह अपने पापों से बचाने के लिए उद्धारकर्ता को भेजे।

8. परमेश्वर ने कैन और उसके बलिदान को क्यों ठुकरा दिया?

-क्योंकि कैन ने परमेश्वर की अवज्ञा की।

-क्योंकि कैन परमेश्वर के लिए एक भेड़ को बलिदान के रूप में नहीं लाया।

-क्योंकि कैन ने परमेश्वर के मार्ग पर जाने की कोशिश की, न कि परमेश्वर के मार्ग पर।

9. कैन ने अपने बारे में क्या सोचा?

-कैन ने नहीं सोचा था कि वह पाप में पैदा हुआ था।

-कैन ने नहीं सोचा था कि उसके पाप को मौत की सजा दी जानी चाहिए।

10. कैन ने परमेश्वर के बारे में क्या सोचा?

-कैन ने यह नहीं सोचा था कि ईश्वर पवित्र है।

-कैन ने यह नहीं सोचा था कि ईश्वर सभी पापों को मौत की सजा देता है।

-कैन ने यह नहीं सोचा था कि केवल ईश्वर ही उसे बचा सकता है।

-कैन ने यह भी नहीं सोचा था कि उसे उसके पापों से बचाने के लिए एक उद्धारकर्ता की आवश्यकता है।

11. जब परमेश्वर ने कैन के बलिदान को अस्वीकार कर दिया, तो परमेश्वर ने कैन से बात क्यों की?

-क्योंकि परमेश्वर कैन से प्रेम करता था।

-क्योंकि परमेश्वर चाहता था कि कैन अपने पाप का अंगीकार करे।

12. क्या कैन ने परमेश्वर की बात सुनी?

-नहीं।

13. कैन ने किसकी सुनी?

-कैन ने शैतान की बात सुनी।

14. कैन ने क्या किया?

-कैन क्रोधित हो गया, और उसने अपने भाई हाबिल को मार डाला।

15. क्या परमेश्वर ने देखा कि कैन ने क्या किया?

-हां।

-परमेश्वर सब कुछ देखता है और सब कुछ जानता है।

16. क्या परमेश्वर ने कैन के पाप का दण्ड दिया?

-हां।

-परमेश्वर सभी पापों की सजा देते हैं।

-ऐसा कोई पाप नहीं है जिसकी सजा परमेश्वर नहीं देते।

-आइए पढ़ें कि कैन ने परमेश्वर के विदा होने के बाद क्या किया:

आइए पढ़ें उत्पत्ति 4:16-19 और 23

16 तब कैन यहोवा के साम्हने से निकलकर अदन के पूर्व नोद देश में रहने लगा।

17-कैन अपक्की पत्नी के संग सो गया, और वह गर्भवती हुई और उसने हनोक को जन्म दिया।

18-हनोक से ईराद उत्पन्न हुआ, और ईराद महुयाएल का, और महुयाएल से मतूशाएल, और मतूशाएल से लेमेक उत्पन्न हुआ।

19-लेमेक ने दो स्त्रियों से ब्याह लिया, एक का नाम आदा और दूसरी का जिल्ला।

23 लेमेक ने अपक्की पत्नियों से कहा, हे आदा और सिल्ला, मेरी सुन; लेमेक की पत्नियों, मेरी बातें सुनो। मुझे घायल करने के लिए मैंने एक आदमी को मार डाला है, मुझे घायल करने के लिए एक जवान आदमी।"

-कैन ने परमेश्वर की बात मानने से इनकार कर दिया।

-कैन ने केवल शैतान की बात सुनी।

-कैन के वंशजों ने कैन के उदाहरण का अनुसरण किया।

-कैन के वंशजों ने भी परमेश्वर की बात मानने से इनकार कर दिया।

-कैन के वंशज भी सिर्फ शैतान की सुनते थे।

-कैन के वंशजों ने परमेश्वर के मार्ग का अनुसरण करने से इनकार कर दिया।

-कैन के वंशज केवल अपने तरीके से चलते थे।

-जैसे कैन ने अपने भाई को मार डाला, वैसे ही कैन के वंशज लेमेक में से एक हाबिल ने एक आदमी को मार डाला।

-क्योंकि कैन ने परमेश्वर की बात मानने से इंकार कर दिया, कैन के वंशजों ने कैन के उदाहरण का अनुसरण किया, और परमेश्वर की सुनने से भी इनकार कर दिया।

-हम सभी के लिए जरूरी है कि हम परमेश्वर की सुनें।

-अगर हम परमेश्वर की नहीं सुनते हैं, तो हमारे बच्चे भी हमारे उदाहरण का पालन करेंगे, और परमेश्वर को सुनने से इंकार कर देंगे।

-कैन और उसके वंशज परमेश्वर के लिए जीवित नहीं रहे।

-कैन और उसके वंशज किस लिए जीते थे?

-वे केवल सुख, धन और भौतिक संपत्ति के लिए जीते थे।

-हमें धन और भौतिक संपत्ति के लिए नहीं जीना चाहिए।

-पैसा और भौतिक संपत्ति हमें नहीं बचाएगी।

-केवल परमेश्वर ही हमें बचा सकते हैं।

-केवल परमेश्वर ही हमें शैतान की शक्ति से बचा सकते हैं।

-क्योंकि कैन ने हाबिल को मार डाला, परमेश्वर ने आदम और हव्वा को एक और पुत्र दिया।

-आदम और हव्वा ने उसका नाम सेठ रखा।

आइए पढ़ें उत्पत्ति 4:25

25 और आदम फिर अपनी पत्नी के पास गया, और उसने एक पुत्र को जन्म दिया, और उसका नाम शेत रखा, और कहा, परमेश्वर ने मुझे हाबिल के स्थान पर एक और बच्चा दिया है, क्योंकि कैन ने उसे मार डाला था।

-क्या आपको याद है कि अदन की वाटिका में आदम और हव्वा के पाप करने के बाद, परमेश्वर ने लोगों को शैतान से बचाने के लिए उद्धारकर्ता भेजने का वादा किया था?

-परमेश्वर ने उद्धारकर्ता को हाबिल की लाइन के माध्यम से भेजने की योजना बनाई क्योंकि हाबिल परमेश्वर में विश्वास करता था।

-लेकिन शैतान ने कैन को हाबिल को मारने के लिए मना लिया।

-शैतान ने कैन को हाबिल को मारने के लिए राजी किया क्योंकि वह नहीं चाहता था कि परमेश्वर लोगों को शैतान से बचाने के लिए उद्धारकर्ता भेजे।

-क्योंकि कैन ने हाबिल को मार डाला, क्या शैतान ने परमेश्वर को वह करने से रोका जो परमेश्वर ने करने का निर्णय लिया था?

-नहीं।

-परमेश्वर को वह करने से कोई नहीं रोक सकता जो वह करने का फैसला करता है।

-क्योंकि कैन ने हाबिल को मार डाला, क्या परमेश्वर उद्धारकर्ता को भेजने के अपने वादे को भूल गया?

-नहीं।

-परमेश्वर अपने वादों को कभी नहीं भूलते।

-परमेश्वर ने आदम और हव्वा को एक और बेटा क्यों दिया, जिसे सेठ कहा जाता था?

-क्योंकि कैन ने हाबिल को मार डाला, परमेश्वर ने सेठ की लाइन के माध्यम से उद्धारकर्ता को भेजने का फैसला किया।

-परमेश्वर हमेशा उस कार्य को पूरा करेगा जो वह शुरू करता है।

-परमेश्वर को कोई नहीं रोक सकता।

-परमेश्वर को शैतान भी नहीं रोक सकता.

-सेठ बड़ा हुआ और शादी कर ली।

-सेठ की पत्नी ने बेटे को जन्म दिया।

-सेठ ने अपने बेटे एनोश को बुलाया।

आइए पढ़ें उत्पत्ति 4:26

26-सेठ का एक पुत्र भी हुआ, और उस ने उसका नाम एनोश रखा। उस समय लोग यहोवा से प्रार्थना करने लगे।

-परमेश्वर हमें अपनी बाइबिल में बताता है कि जब सेठ के एक बच्चे का जन्म हुआ, तो सेठ के परिवार ने परमेश्वर को पुकारना और उस पर विश्वास करना शुरू कर दिया।

-हर कोई जो ईश्वर को पुकारता है और ईश्वर के मार्ग पर जाता है, ईश्वर उन्हें स्वीकार करेगा।

-काला हो या गोरे, अमीर हो या गरीब, जवान हो या बूढ़ा, आदमी हो या औरत।

-जो कोई भी परमेश्वर को बुलाएगा और परमेश्वर के रास्ते में जाएगा, परमेश्वर उन्हें स्वीकार करेंगे।

-सेठ और उनका परिवार भले ही परमेश्वर में विश्वास करता था, लेकिन कई अन्य लोग परमेश्वर को नहीं मानते थे।

-कई और सालों के बाद एडम की मौत हो गई।

आइए पढ़ें उत्पत्ति 5:4-5

4-सेठ के जन्म के बाद आदम 800 वर्ष जीवित रहा और उसके और भी बेटे बेटियां उत्पन्न हुईं।

5-कुल मिलाकर, आदम 930 वर्ष जीवित रहा, और फिर वह मर गया।

-आदम की मृत्यु क्यों हुई?

-क्योंकि आदम ने परमेश्वर की अवज्ञा की, और शैतान की सुनी।

-ईव भी मर गया।

-हव्वा की मृत्यु क्यों हुई?

-क्योंकि हव्वा ने भी परमेश्वर की अवज्ञा की, और शैतान की सुनी।

-शुरुआत में दुनिया में कोई मौत नहीं थी।

-परमेश्वर नहीं चाहते थे कि आदम और हव्वा मरें।

-परमेश्वर नहीं चाहते थे कि कोई मर जाए।

-सभी लोग क्यों मरते हैं?

-हमारे पाप के कारण।

-पाप के लिए परमेश्वर की सजा क्या है?

-मौत।

-परमेश्वर अब हमें अपनी बाइबिल में सेठ के वंशज हनोक के बारे में एक कहानी बताते हैं।

आइए पढ़ें उत्पत्ति 5:22-23

22-हनोक मत्शेलह का पिता हुआ, और हनोक 300 वर्ष परमेश्वर के संग चलता रहा, और उसके और भी बेटे बेटियां उत्पन्न हुईं।

23-कुल मिलाकर, हनोक 365 वर्ष जीवित रहा।

-हालाँकि हनोक भी एक पापी पैदा हुआ था, हनोक ने परमेश्वर में विश्वास किया और परमेश्वर की आज्ञा का पालन किया।

-हनोक अपने बारे में क्या जानता था?

-हनोक जानता था कि वह आदम और हव्वा की संतान के रूप में पैदा हुआ था।

-हनोक जानता था कि उसका जन्म ईडन गार्डन के बाहर हुआ है।

-हनोक जानता था कि वह पाप में पैदा हुआ था।

-हनोक जानता था कि वह मृत्यु में पैदा हुआ था।

-हनोक परमेश्वर के बारे में क्या जानता था?

-हनोक जानता था कि परमेश्वर पवित्र है।

-हनोक जानता था कि परमेश्वर सभी पापों को मौत की सजा देता है।

-हनोक जानता था कि केवल परमेश्वर ही उसे बचा सकता है।

-हनोक का मानना था कि परमेश्वर लोगों को शैतान से बचाने के लिए उद्धारकर्ता को भेजेगा।

-हनोक ने दूसरे लोगों को भी परमेश्वर पर विश्वास करने के लिए कहा।

-लेकिन अधिकांश लोगों ने हनोक की बात मानने से इनकार कर दिया।

-ज्यादातर लोगों ने परमेश्वर को मानने से इनकार कर दिया।

-एक दिन, हनोक के साथ कुछ अजीब हुआ।

आइए पढ़ें उत्पत्ति 5:24

24-हनोक परमेश्वर के संग चलता रहा; तब वह नहीं रहा, क्योंकि परमेश्वर ने उसे उठा लिया।

-हनोक के साथ क्या अजीब बात हुई?

-परमेश्वर हनोक को परमेश्वर के साथ रहने के लिए स्वर्ग ले गए।

-स्वर्ग कैसा है?

-स्वर्ग एक खूबसूरत जगह है जहां कोई दुख या आंसू नहीं है।

-स्वर्ग एक खूबसूरत जगह है जहां कोई बीमारी या मौत नहीं है।

-स्वर्ग वह जगह है जहां परमेश्वर और उनके स्वर्गदूत रहते हैं।

-क्या आप में से कई लोग अमेरिका गए हैं?

-नहीं।

-भले ही आप में से कई लोग अमेरिका नहीं गए हों, लेकिन अमेरिका अभी भी है।

-भले ही हम में से कोई भी स्वर्ग में नहीं गया हो, स्वर्ग अभी भी है।

-स्वर्ग कहाँ है?

-स्वर्ग सूर्य, चंद्रमा और सितारों से बहुत दूर है।

-परमेश्वर हनोक को स्वर्ग क्यों ले गए?

-क्या हनोक ने कोई पाप नहीं किया?

-हाँ, हनोक ने पाप किया था।

-हनोक सभी लोगों की तरह आदम और हव्वा का वंशज था।

-हनोक सभी लोगों की तरह पाप में पैदा हुआ था।

-परमेश्वर हनोक को स्वर्ग क्यों ले गए?

-क्योंकि हनोक ने परमेश्वर की आज्ञा मानी।

-क्योंकि हनोक परमेश्वर के मार्ग में अकेले ही परमेश्वर के पास आया था।

-क्योंकि परमेश्वर ने सभी लोगों को बनाया है, परमेश्वर सभी लोगों के मालिक हैं।

-क्योंकि परमेश्वर ने सभी लोगों को बनाया है, परमेश्वर सभी लोगों के साथ जो चाहें कर सकते हैं।

-क्योंकि परमेश्वर ने हनोक को बनाया, और हनोक ने परमेश्वर की आज्ञा मानी, परमेश्वर ने हनोक को स्वर्ग में ले लिया।

-हनोक नहीं मरा।

-हनोक के मरने से पहले, परमेश्वर उसे स्वर्ग में ले गया।

-हनोक अकेला है जो नहीं मरा, और परमेश्वर उसे स्वर्ग में ले गए।

- हनोक के पुत्र का नाम मतूशेलह था।

आइए पढ़ें उत्पत्ति 5:25-27

25 जब मत्शेलह 187 वर्ष का हुआ, तब वह लेमेक का पिता बना।

26 और लेमेक के जन्म के पश्चात् मत्शेलह 782 वर्ष और जीवित रहा, और उसके और भी बेटे बेटियां उत्पन्न हुईं।

27 और मत्शेलह 969 वर्ष जीवित रहा, और फिर वह मर गया।

-हनोक का पुत्र मत्शेलह दुनिया में किसी और से अधिक समय तक जीवित रहा।

- मत्शेलह 969 वर्ष तक जीवित रहा।

आइए पढ़ें उत्पत्ति 5:28-29 और 32

28 जब मत्शेलह का पुत्र लेमेक 182 वर्ष का हुआ, तब उसके एक पुत्र उत्पन्न हुआ।

29 और उस ने उसका नाम नूह रखा, और कहा, यहोवा ने जिस भूमि को शाप दिया है, उसके कारण वह हम को उस परिश्रम और कठिन परिश्रम से शान्ति देगा।

32 जब नूह 500 वर्ष का हुआ, तब उसके द्वारा शेम, हाम और येपेत उत्पन्न हुए।

- मत्शेलह के पोते का नाम नूह था।

-हम अगले पाठ में नूह और उसके पुत्रों के बारे में जानेंगे।